सद्वृत्त (सदाचार पालन)

- करणीयः– सभी प्राणियों के प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। वृद्ध एवं वरिष्ठ व्यक्तियों के साथ विनयपूर्वक व्यवहार करें। भय से युक्त व्यक्तियों को आश्वासन दें व दीन दुखियों का उपकार करें। सदैव सत्यनिष्ठ, शांतिप्रिय एवं सहनशील रहें। वायु, जल तथा भूमि को प्रदूषित न करने का सदा प्रयास करना चाहिए।

- अकरणीयः– झूठ नहीं बोले, दूसरे के अधिकार का धन नहीं लें, शत्रुता नहीं करें, अन्य व्यक्तियों के दोष सबके सामने प्रकट नहीं करें। अंगों से विकृत चेष्टा नहीं करें।

- सद्वृत का पालन करने से व्यक्ति को मानसिक शांति एवं सुख मिलता है तथा सामाजिक सौहार्द बना रहता है।